प्रकाशनार्थ

पटना, 17 अगस्त 2026: भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तत्वावधान में पर्यावरण सूचना, जागरूकता, क्षमता निर्माण एवं आजीविका कार्यक्रम (EIACP), PC-RP, CSEC-ADRI, पटना द्वारा आज **फूल एवं औषधीय पौधों में हाइड्रोपोनिक्स** विषय पर 10 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य टिकाऊ कृषि, संसाधन-कुशल खेती तथा हरित आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना है।CSEC-ADRI, एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (ADRI) की पर्यावरण इकाई है।

उद्घाटन सत्र में **डॉ. आशुतोष उपाध्याय, प्रमुख, भूमि एवं जल प्रबंधन प्रभाग, ICAR रिसर्च कॉम्प्लेक्स फॉर ईस्टर्न रीजन, पटना** ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कृषि क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने तथा नई कृषि तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हाइड्रोपोनिक्स में प्रारंभिक निवेश और ऊर्जा की आवश्यकता अपेक्षाकृत अधिक होती है, लेकिन इसके माध्यम से अधिक उत्पादन और संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव है।

प्रशिक्षण का संचालन **श्री मोहम्मद जावेद आलम**, हाइड्रोपोनिक्स के क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक के औद्योगिक अनुभव वाले विशेषज्ञ, द्वारा किया जाएगा। उन्होंने **डॉ. संदीप कुमार** के साथ हाइड्रोपोनिक्स के व्यावहारिक उपयोगों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका उपयोग घरेलू स्तर पर पौधे उगाने से लेकर नर्सरी विकसित करने और टिकाऊ आजीविका के अवसर सृजित करने तक किया जा सकता है।

डॉ. सुनील कुमार गुप्ता, EIACP कार्यक्रम समन्वयक, ADRI, ने पौधों पर आधारित इनडोर खेती के पर्यावरणीय महत्व को रेखांकित करते हुए इनडोर वायु प्रदूषण को कम करने में इसकी संभावित भूमिका पर प्रकाश डाला। उद्घाटन कार्यक्रम में **डॉ. अस्मिता गुप्ता, सदस्य सचिव, ADRI**, सहित संस्थान के अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का **पहला बैच 17 से 26 अगस्त 2026** तक आयोजित किया जा रहा है, जबकि **दूसरा बैच 31 अगस्त से 10 सितंबर 2026** तक आयोजित होगा। कार्यक्रम **निःशुल्क** है और प्रत्येक बैच में 30 प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रशिक्षण के दौरान **मृदा रहित खेती, हाइड्रोपोनिक प्रणालियां, फूल एवं औषधीय पौधों की खेती, पोषक तत्व एवं जल प्रबंधन, pH एवं EC की निगरानी, नर्सरी तैयार करना, फसल की निगरानी, कटाई तथा उद्यमिता एवं हरित आजीविका के अवसरों** से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह कार्यक्रम **किसानों, ग्रामीण युवाओं, महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों (SHGs), नर्सरी संचालकों, कृषि स्टार्ट-अप्स, गैर-सरकारी संगठनों, सामुदायिक संगठनों तथा कृषि एवं उद्यानिकी के विद्यार्थियों** के लिए खुला है। इच्छुक प्रतिभागी सीटों की उपलब्धता के आधार पर **दूसरे बैच** के लिए CSEC-ADRI, पटना के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं।

(अभिषेक प्रसाद)